HELP & HELPS SAMITI

"OPEN SHELTER HOME" (BOY'S)

HELP & HELPS

छत्तीसगढ़ शासन

सत्यमेव जयते

महिला एवं बाल विकास विभाग

HELP & HELPS

BACKGROUND

Established Date:-1st October 2013

Place:- Tiwari Farm House,
Dadar Khurd, Manikpur Road,
Korba (C.G.) – 495682
Phone No.:- 07759-217991

E-mail:- hhsoshkorba@gmail.com

OBJECTIVE

- *Residential facilities for children.*
- *Children vulnerable life situation to a safe environment.*
- *Keep away from high risk and socially deviant behaviors.*
- *Educate & develop their potential & talent.*
- *Enhance life skills & reduce their vulnerabilities to exploitation.*
- *Reintegrate children into families, Other care and community.*
- *Ensure that children do not return to vulnerable situations.*

CHILD RECORD

1st April 2015 to 31st March 2016

Total Children	Single Parent Child	Orphan Child	Children at OSH currently	Supervision Order Children	Transfer to Children Home	Transferred Children from Korba to other City
123	17	9	9	54	34	9

REGISTERED..?

- *Registered under Dhara 34(3) of Juvenile Justice (Care and Protection) Act 2000 and ICPS norms 2010 by Government of India.*

Our Registration No. is - 02/Korba/14-15.

- *Registered from Chhattisgarh Women & Child Development Department.*

ACTIVITY

Supplement services through contact locations that could be established on railway platforms, crowded market areas, tourist destinations, bus stands, etc.

Contact locations can be established running the 24-hour Open Shelters.

Use techniques like music, drama, storytelling, outings and other child friendly methodologies to attract and sustain the interest of children.

Once children start participating, OSH should introduce age-appropriate education, access to vocational training, recreation, bridge education, linkages to the National Open School Programs, health care, counseling, etc.

CONT...

Cater to individual specific needs like substance abuse, behavioral problems and socially deviant behaviors among others.

Encourage involvement of social workers, community volunteers, peer educators, students & others. This will provide opportunity to people with skills and time to mentor, guide and improve the quality of life of these children.

Provide health care facility and refer children for specialized services for prevention of drug & substance abuse, HIV/AIDS/STIs and other chronic health disorders.

Maintain standard of care and children should be encouraged to participate in the activities of Open Shelters, prepare individual care plan for each child, and maintain electronic data of each child.

BENEFICIARIES

- ✓ *Beggars*
- ✓ *Street & working Children*
- ✓ *Rag-pickers*
- ✓ *Small vendors*
- ✓ *Street performers*
- ✓ *Orphaned*
- ✓ *Deserted, trafficked & run-away children*
- ✓ *Children of migrant population*
- ✓ *Any other vulnerable of children.*

HELP & HELPS

FINANCIAL

Year	Project	Total Expenditure (in Rs.)
2015-16	Open Shelter Home (Boys)	19,24,780.00

GALLERY

CONT...

CONT...

हेल्प एण्ड हेल्पस समिति
खुला आश्रय गृह (बालक), कोरबा
OPEN SHELTER HOME (BOY'S)

हेल्प एण्ड हेल्पस समिति

MEDIA COVERAGE

HELP & HELPS

छत्तीसगढ़ शासन

सत्यमेव जयते

बिलासपुर, सोमवार, 22 जून 2015 कोरबा हरिभूमि 16

प्राचीन भारत की संस्कृति व परंपरा में
द्यालय की ओर से योग शिक्षक राजेंद्र
जीत कौर ने कहा कि योग शारीरिक,
ानंद के लिए परमावश्यक है। कार्यक्रम में

हेल्थ एण्ड हेल्पस समिति

हेल्थ एण्ड हेल्पस समिति ने प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस डॉ. बीपी सिन्हा सेवानिर्वृत्त आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के सहयोग से खुला आश्रम गृह बालक के बालकों को योग का महत्व को समझाकर मनाया। योग के महत्व को जानकर बालको ने योग उत्साहपूर्वक समयानुसार सुबह 7 बजे से 7.35 बजे तक पूरा किया गया। जिलसमें संस्था के कर्मचारी कार्यक्रम समन्वयक मनीष लाल, सामाजिक कार्यकर्ता- पवन पटेल एवं केयर टेकर- देवकुमार भारद्वाज उपस्थित थे। हमें गर्व है कि मा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं परमपूज्य बाबा रामदेव के सतत् प्रयासों से हम प्रथम अंतर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस के साक्षी बनें।

बरीडीह में मना अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

२६|०३|२०१६ होली कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे. नवभारत

आश्रय गृह में बच्चौं ने खेला रंग

कोरबा. महिला एवं बाल विकास के एकीकृत बाल संरक्षण योजना के तहत स्वीकृत हेल्प एंड हेल्पस समिति द्वारा संचालित खुला आश्रय गृह कोरबा जिसमें देखरेख और जरूरत मंद बालकों को रखा जाता है, रंगों का पर्व होली के अवसर पर खुला आश्रय गृह(बालक) में निवासरत बालकों के द्वारा एक -दूसरे को गुलाल और पिचकारी के साथ खुब मौज-मस्ती किया, जिसमें उपस्थित खुला आश्रय गृह के समस्त कर्मचारी जिसमें कार्यक्रम समन्वयक व काउंसलर मनीष कुमार लाल, सामाजिक कार्यकर्ता पवन कुमार पटेल, केयर टेकर देवी प्रसाद , बलराम सिंह तथा आउट रिच वर्कर पुरनचंद विश्वाल, प्रिंस गेडाम, एवं बृज कुमार धिरहे भी उपस्थित रहे.

२९|१२|२०१५ हरिभूमि

बच्चों के साथ मनाया पर्व

कोरबा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वीकृत हेल्प एण्ड हेल्प्स समिति द्वारा संचालित खुला आश्रय गृह (बालक) कोरबा जिसमें देखरेख और जरूरत मंद बालकों को रखा जाता है। 25 दिसंबर को क्रिसमस का त्यौहार खुला आश्रय गृह में निवासरत बालकों के साथ बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें संस्था के अध्यक्ष सुमीत राठौर एवं सचिव शिवशंकर साहा तथा खुला आश्रय गृह (बालक) के कार्यक्रम समन्वयक/काउंसलर मनीश लाल, सामाजिक कार्यकर्ता पवन पटेल, केयर टेकर देवी देवांगन, बलराम साकत तथा आउटरिच वर्कर पुरनचंद एवं प्रिंस गेडाम उपस्थित थे।

15/2/16 नईदुनिया

आश्रय गृह में मनाया गया मातृ-पितृ दिवस

कोरबा।14 फरवरी को बाल कल्याण समिति के सदस्यों ने प्रेम दिवस व मातृ-पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान अपने माता-पिता से दूर आश्रय गृह में रह रहे बच्चों को समिति की ओर से चॉकलेट व मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया गया। आश्रय गृह में समिति के सदस्यों ने बच्चों के बीच खुशियां बांटी। इस दौरान समिति के सदस्य अश्वनी सिन्हा, कौशिल्या सिन्हा व कविता आश्रय गृह में उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व बच्चे। - फोटो : नईदुनिया

प्रशांति वृद्धाश्रम में बांटे फल

युवा कांग्रेस अध्यक्ष फिरोज अहमद की अगुवाई में युवा कांग्रेसियों ने प्रशांति

विकास गोड़ खेल स्पर्धा में प्रथम

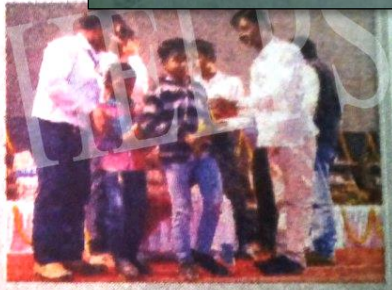

कोरबा. राज्य बाल संरक्षण समिति (महिला एवं बाल विकास विभाग) छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बच्चों में बाल अधिकार के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने तथा बालकों को सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिये उल्लास बाल देखरेख संस्थाओं का प्रथम राज्य स्तरीय बाल उत्सव का आयोजन रायपुर शहर में किया गया, जो 18 से 20 नवंबर तक रायपुर के पुजारी पार्क में संपन्न हुआ. इस वृहद उल्लास महोत्सव में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में राज्य बाल संरक्षण समिति द्वारा चलाए गए बाल देखरेख संस्थाओं के बालक- बालिकाओं ने अपनी-अपनी प्रतिभाएं दिखाई इनमें कोरबा जिले में संचालित हेल्प एण्ड हेल्प समिति (एनजीओ) के खुला आश्रय गृह (बालक)के विकास गोंड़ उम्र 11 वर्ष ने दौड़ एवं उंची कूद में पूरे कोरबा जिले में प्रथम स्थान को प्राप्त किया.

पुरूस्कार प्राप्त करते विकास

MEDIA COVERAGE

बाल उत्सव में कोरबा प्रथम

कोरबा। प्रथम राज्य स्तरीय बाल उत्सव का आयोजन रायपुर में 18 से 20 नवंबर तक रायपुर के पुजारी पार्क में संपन्न हुआ। जिसमें कोरबा जिले में संचालित हेल्प एण्ड हेल्पस सीमित के खुला आश्रय गृह के बालक विकास गोंड़ 11 वर्ष ने दौड़ एवं ऊंची कूद में पूरे कोरबा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना और कोरबा जिले का नाम गौरवांवित किया है। राज्य बाल संरक्षण समिति छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बच्चों में बाल अधिकार के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने तथा बालकों को सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए उल्लास बाल देखरेख संस्थाओं का अध्यक्ष शिवशंकर साह, सचिव सुमित राठौर ने बालक के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

02/08/2015

लापता बच्चों को मिलाया परिजन से

हरिभूमि

कोरबा। जिले में 1 से 31 जुलाई तक चले ऑपरेशन मुस्कान के तहत जिला पुलिस के द्वारा तलाश किए गए गुमशुदा बच्चों को कल्याण समिति द्वारा उनके परिजनों को समझाईश देकर सुपुर्द किया गया। इस ऑपरेशन को सफल और व्यवस्थित बनाने में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ एल एन जायसवाल, सदस्य अश्वनी सिन्हा, श्रीमती मधुलता राजवाड़े, श्रीमती चंद्रबाला शुक्ला, संदीप सिंह बिसेन विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी जिला बाल संरक्षण इकाई कोरबा (छ.ग.) हेल्प एण्ड हेल्प्स समिति द्वारा संचालित खुला आश्रय गृह बालक के समन्वयक मनीष लाल, पवन पटेल, देव भारद्वाज और सुमति सामुदायिक विकास संस्था बालिका गृह कोरबा छग एवं जिला पुलिस ने प्रशंसनीय योगदान दिया है।

बाल कल्याण समिति के संरक्षण में बिंदिया

30-1-16

कोरबा। बाल कल्याण समिति की रेसक्यू टीम ने 8 वर्षीय बिंदिया को अपने संरक्षण में लिया है। एक परिवार बिंदिया को दत्तक ग्रहण नियम की प्रक्रिया पूरी किए ही अपने साथ रखा हुआ था। बाल कल्याण समिति को सूचना मिली थी कि बिंदिया काठे नामक 8 वर्षीय बच्ची के माता-पिता नहीं है। उसके दो भाई पहले से ही कल्याण समिति के संरक्षण में है। बिंदिया को एक परिवार ने अपने साथ रखा हुआ है। उन्होंने किसी तरह से नियम कायदों का पालन नहीं किया है। इस सूचना के मिलने पर समिति ने रेसक्यू टीम गठित की। इस टीम में शामिल अश्वनी सिन्हा, मधुलता राजवाड़े, चंद्रबाला शुक्ला, दीपमाला सिंह, आश्रय गृह के समन्वयक मनीष लाल, पूरनचंद विस्वाल, चाइल्ड लाइन के अनुराधा सिंह, सुश्री नमिता लकड़ा, रमाकांत जायसवाल, दो आरक्षक के साथ बताए गए पते पर पहुंचे। जहां तस्दीक के दौरान सूचना सही पाई गई। रेसक्यू टीम ने उक्त परिवार से बिंदिया को अपने संरक्षण में ले लिया। मामले में समिति बाल अधिकार तथा दत्तक ग्रहण अधिनियम के तहत कार्रवाई कर रही है।

16 Jan-16- नई दुनिया

आश्रय गृह के बच्चों ने की पतंगबाजी

कोरबा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वीकृत हेल्प एंड हेल्पस् समिति द्वारा संचालित खुला आश्रय गृह बालक में बच्चों ने मकर संक्रांति का पर्व मनाया गया। इस पावन पर्व में बालकों ने सुबह सूर्य देव का नमस्कार व आशीर्वाद लेकर खुले आसमां में पतंगबाजी की तथा एक दूसरे को तिल का लड्डू खिलाकर खुशियां मनाई। इस अवसर पर खुला आश्रय गृह बालक के कार्यक्रम समन्वयक काउंसलर मनीष लाल, सामाजिक कार्यकर्ता पवन पटेल, केयर टेकर देवी देवांगन, बलराम साकेत तथा आउट रिच वर्कर पूरनचंद, प्रिंस गेडाम एवं बृजकुमार धिरहे उपस्थित थे।

पूजा के पश्चात् जलती होलिका से अग्नि ले जाकर अपने-अपने घरों में बनाई गई होलिका का दहन किया।

खुला आश्रयगृह में मनी होली

26/03/2016 हरिभूमि

महिला एवं बाल विकास के एकीकृत बाल संरक्षण योजना के तहत् स्वीकृत हेल्प एण्ड हेल्पस् समिति द्वारा संचालित खुला आश्रय गृह (बालक) जिसमें देखरेख और जरूरत मंद बालकों को रखा जाता है, में 24 मार्च को रंगों का पर्व होली के अवसर पर बच्चों के द्वारा एक-दूसरे को गुलाल और पिचकारी के साथ खुब मौज-मस्ती के साथ होली मनाई गई। जिसमें उपस्थित खुला आश्रय गृह (बालक) के समस्त कर्मचारी जिसमें कार्यक्रम समन्वयक-काउंसलर मनीष कुमार लाल, सामाजिक कार्यकर्ता पवन कुमार पटेल, केयर टेकर देवी प्रसाद देवांगन, बलराम सिंह साकत तथा आउट रिच वर्कर पुरनचंद विश्वाल, प्रिंस गेडाम, एवं बृज कुमार धिरहे उपस्थित रहे।

www.naidunia.com

मां से बिछड़कर ट्रेन से कोरबा पहुंचा बालक

बालक को स्टेशन में बाल आश्रय गृह के कार्यकर्ता के सुपुर्द करते सीएसएम।

कोरबा (निप्र)। ट्रेन में सफर के दौरान अपनी मां से बिछड़कर करीब 13 वर्षीय एक बालक कोरबा आ पहुंचा। गारीरिक तौर पर कुछ अशक्त इस बालक का कद माज दाई से 3 फीट है। बालक का कहना है कि पिता के शराब पीकर मार-पीट करने से तंग आकर मां ने उसके साथ चुप-चाप घर छोड़ दिया था। वे ट्रेन में बैठकर ओडिशा के विजयनगर से कोरबा की ओर आ रहे थे, तभी गतौरा स्टेशन के करीब उसकी मां उसे ट्रेन में ही छोड़कर उतर गई।

पूछताछ में इस बालक ने अपना नाम विक्की सिंह बताया। ओडिशा के विजयनगर में उसके पिता अरुण सिंह एक आटाचक्की चलाते हैं। रोजी-मजदूरी करने वाली मां संतोषी उसे लेकर यहां चली आई। उसने बताया कि पूर्व में उसका परिवार दीपका के कृष्णानगर बस्ती में निवास करता था। रास्ते में कुछ युवकों के द्वारा परेशान किए जाने पर उसकी मां संतोषी डरकर ट्रेन से उतर गई।

वे बिलासपुर से कोरबा आने वाली रात की आखिरी लोकल ट्रेन में बैठकर कोरबा आ रहे थे। कोरबा पहुंचने पर ट्रेन में दो बड़े बैग के साथ एक बालक को अकेला रोता देखकर आरपीएफ के जवानों ने उसे नीचे उतार लिया। पूछताछ में उसके बिछड़ जाने की जानकारी मिलने पर उसे रातभर स्टेशन में रखा गया व खाने की व्यवस्था भी रेल प्रबंधन द्वारा की गई। मंगलवार की दोपहर उसे दादरखुर्द में संचालित कोसे आश्रय गृह के हवाले कर दिया गया है।

THANKS

We excessively thanks to –

Women & Child Welfare Department , Govt. of Chhattisgarh.

1. Mrs. Archana Singh Rana, Joint Director
2. Mr. Sunil Sharma, Additional Director.
3. Mrs. Renu Prakash, DPO, Korba.
4. Mr. Aditya Sharma, DPO Assistant .

Child Welfare Committee

Mr. Sanjay Manikpuri, President , Child Rights Protection Commission, Govt. of Chhattisgarh

Mr. Laxmi Narayan Jaiswal, Chairman, Korba.

VOLUNTEERs

Dr. B.P. Sinha & Miss Sonam Agrawal, Korba.

All staff of Children home, members, local supporters, media, Government departments.